बच्चा

अल सुबह
काम पर जाता हुआ बच्चा
कोहरे में डूबी हुई सड़क
पार कर रहा है
सड़क जितनी लम्बी है
उतनी चौड़ी भी है
सड़क जितनी सूनी है
उतनी दूनी भी है
सड़क को यह सब नहीं पता
और बच्चा
उसे भी कहां पता कि वह
सड़क पार कर रहा है।

बिटिया

लगभग चार बरस की बिटिया ने
मां से
हाथ फैलाते हुए कहा
- दीदी की किताब में
इत्ता बड़ा समुद्र है

मां ने आश्चर्य जताते हुए कहा
अच्छा!

हां
बिटिया ने कहा
देखो मैंने उसमें उंगली डाली
तो भीग गई।

भगवत रावत
हिन्दी के वरिष्ठ कवि
129 आराधना नगर, भोपाल-462003